भाजपा की तिरंगा यात्रा में सड़कों पर उतरे हजारों लोग

नई दिल्ली, 09 अगस्त। पुदुचेरी, जयपुर, हरियाणा और लखनऊ समेत कई स्थानों पर तिरंगा यात्राओं और राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेता शामिल हुए. हजारों लोगों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर तिरंगा यात्राओं में हिस्सा लिया.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ समेत कई नेता मौजूद रहे. हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नारनौल और लाडवा के बुहावी गांव में आयोजित राज्य स्तरीय तिरंगा यात्रा और मैराथन में हिस्सा लिया. उन्होंने कार्यक्रमों को हरी झंडी दिखाने के साथ खुद भी यात्रा में शामिल होकर लोगों का उत्साह बढ़ाया. उन्होंने लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने की अपील की.

गृह मंत्री अमित शाह ने तिरंगा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

गृह मंत्री अमित शाह ने आज पुदुचेरी के मुरुगा थियेटर सिगनल में हर घर तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया. पदुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, पुदुचेरी के गृहमंत्री ए. ए. नमशिवयम, कृषि और किसान कल्याण मंत्री जी.एन.एस. राजशेखरन और पुदुचेरी भाजपा के अध्यक्ष वी.पी. रामालिंगम भी इस अवसर पर उपस्थित थे. हजारों लोगों ने इस रैली में तिरंगे के साथ हिस्सा लिया. इससे पहले शाह गोरीमेदु पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैदान में पुदुचेरी पुलिस को राष्ट्रपति का पुलिस ध्वज प्रदान किये जाने के समारोह में शामिल हुए.

भाजपा की ओर से जयपुर के अलर्ट हॉल के सामने से सुबह 10 बजे तिरंगा रैली का आयोजन किया गया. केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने हरी झंडी दिखाकर तिरंगा यात्रा को रवाना किया. इस दौरान प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित राज्य सरकार के कई मंत्री मौजूद रहे.

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नारनौल और लाडवा के बुहावी गांव में आयोजित राज्य स्तरीय तिरंगा यात्रा और मैराथन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया. उन्होंने कार्यक्रमों को हरी झंडी दिखाने के साथ खुद भी तिरंगा यात्रा में शामिल होकर लोगों का उत्साह बढ़ाया. तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों और युवाओं ने हिस्सा लिया. हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर प्रतिभागियों ने देशभक्ति का संदेश दिया.

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए. हाथों में तिरंगा लिए लोगों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज को देश की आन, बान और शान बताते हुए राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया. इस दौरान उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की राष्ट्रीय एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है.

तमिलनाडु में बढ़ी तीसरे बच्चे की जरूरत : अरुणराज

बूढ़ी होती आबादी ने बढ़ाई चिंता

चेन्नई, 09 अगस्त. कभी बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन पर जोर देने वाले तमिलनाडु के सामने अब बिल्कुल उलटी चुनौती खड़ी होती दिख रही है. राज्य में जन्म दर लगातार गिर रही है और आबादी तेजी से उम्रदराज हो रही है.

यही वजह है कि अब सरकार दंपतियों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकती है. स्वास्थ्य मंत्री केजी अरुणराज ने रविवार को संकेत दिया कि भविष्य में तीसरे बच्चे के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए किसी योजना पर विचार किया जा सकता है. हालांकि, फिलहाल सरकार ने ऐसी किसी योजना की आधिकारिक घोषणा नहीं की है.

स्वास्थ्य मंत्री ने ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ साउथ इंडिया की मध्यावधि कार्यशाला में राज्य की बदलती जनसांख्यिकी को लेकर चिंता जताई. उन्होंने बताया कि तमिलनाडु का कुल प्रजनन दर 1.4 से भी नीचे पहुंच चुका है. सामान्य तौर पर आबादी को मौजूदा स्तर पर बनाए रखने के लिए प्रजनन दर का करीब 2.1 होना जरूरी माना जाता है.

मेड इन इंडिया मिसाइलों से बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, 09 अगस्त. भारत अब आसमान की जंग में सिर्फ विदेशी हथियारों के भरोसे रहने के बजाय अपनी स्वदेशी मिसाइल ताकत को लगातार मजबूत कर रहा है. देश में विकसित अस्त्र और रुद्रम सीरीज इसी बदलती तस्वीर की बड़ी मिसाल हैं.

भारत की अस्त्र-रुद्रम होंगी गेमचेंजर

अस्त्र-1 और अस्त्र-2 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें हैं, जबकि रुद्रम-1 को दुश्मन के रडार और वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाने के लिए विकसित किया गया है. खास बात यह है कि इन हथियारों का विकास और परीक्षण ऐसे समय में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जब भारतीय वायुसेना अपने लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता को नई ऊंचाई देने की दिशा में काम कर रही है. इस पूरी कवायद की सबसे बड़ी खासियत सिर्फ नई मिसाइलों का निर्माण नहीं, बल्कि उन तकनीकों का स्वदेशीकरण है, जिनके लिए भारत को पहले विदेशी देशों पर निर्भर रहना पड़ता था. अब देश खुद ऐसी अत्याधुनिक तकनीक विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. यही कारण है कि अस्त्र और रुद्रम जैसे हथियार आने वाले वर्षों में रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के साथ विदेशी मिसाइलों पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं.

छात्रों पर हुई कार्रवाई की तय हो जवाबदेही

नई दिल्ली, 09 अगस्त. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में एक छात्र से हुई बातचीत का हवाला देते हुए छात्रों की समस्याओं और दिल्ली में प्रदर्शनकारी युवाओं पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कहा है कि छात्रों पर हुए अत्याचार की जवाबदेही तय होने तक वह आवाज उठाते रहेंगे.

गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा, अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा उन्होंने कहा कि कल प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे यही पूछा था. उनका कहना था कि वर्षों की तैयारी, घर की जमीन बेचने, माता-पिता के कर्ज और इसके बावजूद हाथ में कुछ नहीं आने की स्थिति उस छात्र की हार नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की हार है, जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया. उन्होंने कहा कि 13 दिन हो गए लेकिन गृह मंत्री अमित शाह के मुंह से एक शब्द नहीं निकला. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगने की अपेक्षा थी लेकिन वह 'क्षमा' बांट रहे हैं.

गांधी ने कहा, अमित शाह जी, यह मत समझिए कि हम जवाबदेही मांगना बंद कर देंगे. राजधानी की सडक़ों पर बच्चों पर लाठियां और पैलेट चले और आपने एक शब्द नहीं कहा. आज नहीं तो कल, इस जुर्म का जवाब आपको देना ही पड़ेगा. उन्होंने 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई चूक का भी उल्लेख किया और कहा कि उस समय भी विपक्ष ने गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग की थी लेकिन उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था.

ममता के काफिले पर हमला

- **प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी पर फेंके पत्थर-जूते**
- **ममता बनर्जी ने पुलिस पर लगाया आरोप**

कोलकाता, 09 अगस्त. पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा. आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके.

ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है. ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं. इसी दौरान हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया. देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया. प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की. घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके.

कर्मचारी चयन आयोग : सरकार और छात्रों के बीच शुरू हुई बातचीत

- **परीक्षा गड़बड़ी पर छात्रों का 16वें दिन आंदोलन जारी**
- **मांगें न मानने पर 10 अगस्त को विधानसभा घेराव की चेतावनी**

रांची, 09 अगस्त. झारखंड में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच रविवार को सरकार और छात्रों के बीच तीसरे दौर की बातचीत शुरू हुई.

आंदोलन के 16वें दिन छात्र प्रतिनिधिमंडल रांची के राजकीय अतिथि गृह पहुंचा, जहां चार मंत्रियों के दल के साथ उनकी बातचीत हुई. बैठक के दौरान सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सामने आए हैं. सूत्रों के मुताबिक, झारखंड लोक सेवा आयोग की 14वीं परीक्षा और पिछली रिक्तियों के लिए आयोजित 25वीं परीक्षा को रद्द करने पर सरकार तैयार हो गई है. इसके अलावा परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था टीडीपीएल के वित्तीय लेनदेन की जांच प्रवर्तन निदेशालय से कराने की तैयारी है.

आज का इतिहास

1966 : अमेरिका ने अंतरिक्ष में रॉकेट उतारने की लिए उपयुक्त स्थान का चित्र लेने पहला अंतरिक्ष यान भेजा

1962 : आज ही के दिन बच्चों का चहेता स्पाइडरमैन कॉमिक बुक अमेजिंग फैंटेसी में नजर आया

1963 : चंबल के बीहड़ो से सियासी गलियारों तक पहूंचने वाली फूलन देवी का जन्म हुआ था

1979 : उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 प्रक्षेपित

2000 : पड़ौसी देश श्रीलंका में सिरीमावो भंडारनायके का प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा, आर. विक्रमानयके नये प्रधानमंत्री नियुक्त।

अनजान होटल में खाना खाकर मस्जिद पहुंचते ही गिरा लश्कर कमांडर, मौत

इस्लामाबाद, 09 अगस्त. पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े वरिष्ठ कमांडर कारी सईद अब्दुल अजीज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आई है.

रिपोर्टों के अनुसार, कारी सईद क्यूबा मस्जिद में नमाज पढ़ने पहुंचा था. मस्जिद के बाहर अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह गिर पड़ा. इसके बाद उसकी मौत हो गई. घटना के बाद उसकी मौत के कारण को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं. रिपोर्टों के मुताबिक, मस्जिद पहुंचने से पहले कारी सईद ने एक अनजान होटल या भोजनालय में खाना खाया था. इसके कुछ समय बाद वह क्यूबा मस्जिद के पास पहुंचा. वहां अचानक गिरने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई. हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उसकी मौत खाने से जुड़ी किसी वजह से हुई या इसके पीछे कोई दूसरी मेडिकल स्थिति थी.

रूस से भारत तक दौड़ेगी ट्रेन

- **न होर्मुज की टेंशन, न समुद्री रास्तों का जोखिम**
- **रूस ने सुझाया भारत तक रेल रूट**

कई देश वैकल्पिक रास्तों पर दे रहे जोर

इस प्रस्ताव को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और अन्य महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से जुड़े जोखिमों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है. होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है. ऐसे मार्गों में किसी भी तरह का तनाव या व्यवधान अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है. इसी वजह से कई देश अपने व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला के लिए वैकल्पिक रास्तों पर जोर दे रहे हैं. भारत रूस के लिए महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है. दोनों देशों के बीच ऊर्जा, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में लंबे समय से संबंध हैं. ऐसे में भारत तक बेहतर जमीनी संपर्क विकसित करना रूस के लिए रणनीतिक और व्यापारिक दोनों लिहाज से उपयोगी हो सकता है.

नई दिल्ली, 09 अगस्त. रूस ने भारत और हिंद महासागर क्षेत्र तक पहुंच के लिए एक नए रेलवे व्यापार मार्ग की संभावना सामने रखी है. रूसी उप प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने सरकारी इंटरव्यू में कहा कि रूस को हिंद महासागर तक रेलवे मार्ग बनाने की संभावना पर विचार करना चाहिए.

उनका बयान ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए प्रमुख समुद्री मार्गों की सुरक्षा और स्थिरता को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं. प्रस्तावित रेल नेटवर्क का उद्देश्य रूस को हिंद महासागर क्षेत्र से जमीनी तौर पर जोड़ना हो सकता है.

खुसनुलिन के मुताबिक, ऐसा रास्ता रूस के लिए उपयोगी होगा जो उसे भारत तक पहुंच उपलब्ध करा सके. संभावित मार्ग में मध्य एशिया और पश्चिम एशिया के कई देश शामिल हो सकते हैं. इनमें तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान का नाम सामने आया है. अगर इस तरह का नेटवर्क विकसित होता है तो रूस और भारत के बीच माल ढुलाई के लिए एक अतिरिक्त कॉरिडोर तैयार हो सकता है. फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए समुद्री मार्गों की अहम भूमिका है.

हस्तियों के ट्वीट

देश के शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी हाल ही में सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से जुड़े मामलों पर भारतशिक्षामंत्रालय के सेक्रेटरी और सीनियर अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में उन अहम मुद्दों पर चर्चा की गई जिन पर ध्यान देने की जरूरत है, और साथ ही संस्थागत व्यवस्थाओं को और मजबूत करने, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और छात्रों के प्रति ज्यादा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे उठाए जाने वाले कदमों पर भी बात हुई.

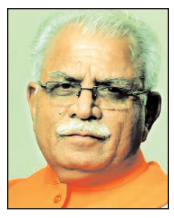

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हाल ही में सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भागवत मान से दिल्ली स्थित कार्यालय में भेंट हुई .इस अवसर पर प्रदेश के विद्युत क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई. राज्य की वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति को अधिक सुदृढ़ करने तथा धान की रोपाई के समय किसानों की बढ़ी हुई बिजली मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त विद्युत उपलब्धता सुनिश्चित करने से जुड़े विषयों पर विशेष रूप से विस्तृत विचार-विमर्श किया गया.

इस्तीफे के बाद प्रधान ने तोड़ी चुप्पी

भुवनेश्वर,09 अगस्त। नीट विवाद को लेकर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है.

ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित जीएम विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए पूर्व शिक्षा मंत्री ने अपने इस्तीफे पर पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि जेन जी यानी नई युवा पीढ़ी उनके लिए अपने बच्चों की तरह है और कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की. प्रधान ने कहा कि देश और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया. वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी नेता और

जेंजी को गुमराह करने की कोशिश हुई

संबलपुर से सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उनके लिए मंत्री पद महत्वपूर्ण नहीं था. उन्होंने युवाओं की आकांक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं और पिछले 10 वर्षों में करीब 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए हैं.

सीएम धामी के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त

पिथौरागढ़, 09 अगस्त। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में जारा जिबली विद्यालय को इंटर कॉलेज बनाए जाने की मांग को लेकर पिछले पांच दिनों से जारी ग्रामीणों का अनशन रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया.

मुख्यमंत्री ने आंदोलनरत ग्रामीणों से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की और उनकी मांगों तथा क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली. उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि विद्यालय को इंटर कॉलेज बनाए जाने के मामले में शिक्षा विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर जल्द आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.

रविवार को मुख्यमंत्री के साथ हुई बातचीत के दौरान ग्रामीणों ने अपनी मांग उनके सामने रखी. मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनी और शिक्षा विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया. प्रशासन की ओर से मिले भरोसे के बाद आंदोलनकारियों ने अनशन समाप्त कर दिया. अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह, आंदोलनकारी जगदीश धामी, रूप सिंह धामी और रमेश सिंह धामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे. मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद अब क्षेत्र के लोगों की नजर शिक्षा विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी है.

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों में उम्मीद जगी और उन्होंने अपना अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया. जिला प्रशासन की ओर से भी ग्रामीणों को आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया गया. इसके बाद पांच दिनों से जारी आंदोलन समाप्त हो गया. ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के आश्वासन के लिए उनका आभार जताया और उम्मीद जताई कि विद्यालय को जल्द इंटर कॉलेज का दर्जा मिलेगा.

बिहार में छात्रों के हित में 4 बड़े ऐलान

बिहार. छात्रों के भविष्य को देखते हुए बिहार में सम्राट सरकार की ओर से चार बड़े ऐलान किए गए हैं. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को अपने एक्स हैंडल से पोस्ट कर इन चार घोषणाओं का जिक्र किया. इन चार घोषणाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विशेष समिति, परीक्षा सुधार, विशेष सहयोग शिविर और छात्र कल्याण की बात है. सम्राट चौधरी ने अपने पोस्ट में लिखा है, बिहार में शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर परीक्षा व्यवस्था एवं छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए बिहार सरकार प्रतिबद्ध है.

संदेश ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब 'रक्तदान' का संकल्प

जवानों के लिए खून की कमी नहीं होने देंगे : राजनाथ

नई दिल्ली, 09 अगस्त. राजधानी दिल्ली में 'सिंदूर आर्मी महा रक्तदान यात्रा' के दूसरे वर्ष के अभियान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को सैनिकों के प्रति देशवासियों की जिम्मेदारी से जोड़ते हुए बड़ा संदेश दिया.

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के सैन्य शौर्य और पराक्रम का प्रतीक था, जबकि रक्तदान अभियान देश की करुणा, संवेदनशीलता और अपने जवानों के प्रति सम्मान को दर्शाता है. रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय

सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन तक दांव पर लगाने से पीछे नहीं हटते. ऐसे में नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि देश की रक्षा करते हुए घायल होने वाले जवानों के लिए हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने कहा कि रक्तदान ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए आम नागरिक भी सैनिकों की सेवा में अपना योगदान दे सकते हैं. राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वीरता का एक आयाम था और 'सिंदूर महा रक्तदान यात्रा' करुणा का दूसरा आयाम है. उन्होंने कहा कि जब भारतीय सशस्त्र बलों ने सीमा पार जाकर देश के दुश्मनों को जवाब दिया, तब उन्होंने भारत की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए अपना साहस दिखाया. अब देश के भीतर रक्तदान के माध्यम से घायल सैनिकों की मदद करने का संकल्प लिया जा रहा है.

> रक्षा मंत्री ने इस मौके पर कहा कि देश की सेवा करते हुए घायल होने वाला एक भी सैनिक रक्त की कमी से न जूझे, यह सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है. उन्होंने रक्तदान को केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि सैनिकों के प्रति कृतज्ञता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रतीक बताया. उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने उन लोगों को करारा जवाब दिया, जिन्होंने देश के लोगों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत की थी.

धर्मांतरण कानून पर हर राज्यों के अलग-अलग नियम

नई दिल्ली, 09 अगस्त। भारत में धर्म परिवर्तन को लेकर कानून पूरे देश में एक जैसा नहीं है. केंद्र स्तर पर ऐसा कोई एक समान 'धर्मांतरण विरोधी कानून' लागू नहीं है. अलग-अलग राज्यों ने अपने कानूनों के जरिए जबरन, धोखे, दबाव, अनुचित प्रभाव या लालच के माध्यम से कराए जाने वाले धर्मांतरण को अपराध बनाया है. इन कानूनों में सजा, जुर्माना और धर्म परिवर्तन से पहले की कानूनी प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है. उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम लागू है. कानून के तहत किसी व्यक्ति को गलत अनुचित प्रभाव, दबाव, लालच या धोखाधड़ी के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करना प्रतिबंधित है.

फिर खुलेगी आरजी कर केस की फाइल

कोलकाता, 09 अगस्त। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल दुष्कर्म-हत्या मामले में दो साल बाद एक बार फिर जांच का रास्ता खुल गया है. मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को घोषणा की कि मृतका की मां के अनुरोध पर इस मामले की नई जांच कराई जाएगी.

सरकार ने साफ किया है कि जांच केवल घटना से जुड़े तथ्यों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि शुरुआती कार्रवाई के दौरान पुलिस की कथित भूमिका और लापरवाही की भी पड़ताल की जाएगी. मुख्यमंत्री के मुताबिक, मृतका की मां रत्ना देबनाथ ने उनसे मुलाकात कर मामले की दोबारा जांच कराने की मांग की थी. इसके बाद मुख्य सचिव और विशेषज्ञों की टीम के साथ विस्तृत चर्चा की गई और सरकार ने नई जांच शुरू करने का निर्णय लिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि पुलिस ने शुरुआती चरण में अपनी जिम्मेदारी किस तरह निभाई और क्या किसी महत्वपूर्ण तथ्य या पहलू को नजरअंदाज किया गया.

पीड़िता की मां की मांग पर सीएम सुवेंदु का ऐलान

> आरजी कर मामले को दो साल पूरे होने पर रविवार को पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी अस्पतालों में दो मिनट का मौन रखा गया. डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाली महिला चिकित्सक को श्रद्धांजलि दी. साल्ट लेक स्थित स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. शारद्वत मुखर्जी और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मौन रखा. वहीं आरजी कर मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों, नर्सों, कर्मचारियों और सुरक्षा में तैनात अर्धसैनिक बलों के जवानों ने मृतका को श्रद्धांजलि दी.